<u>पैरागन कान्वेंट स्कूल</u>

<u>कक्षा २</u>

<u>पाठ- ८</u>

<u>चिड़िया का गीत</u>

१ कठिन शब्द

आकार	घोंसला
संसार	सुकुमार
आसमान	पंख
पसार	

२ शब्द अर्थ पुस्तक के पृष्ट - ५८ से स्वयं करो।

३ नीचे दिए शब्दो पर वाक्य बनाओ -

आकार -

घोंसला -

आसमान -

पंख -

अंडा -

४ लघु उत्तरीय प्रश्न -

क) पहले अंडे जैसा किसका घर था ?

उत्तर - पहले अंडे जैसा चिड़िया का घर था।

ख) चिड़िया का घोंसला किससे बनकर तैयार हुआ ?

उत्तर - चिड़िया का घोंसला तिनकों से बनकर तैयार हुआ।

ग) चिड़िया को कब समझ आया कि संसार बहुत बड़ा है ?

उत्तर - चिड़िया जब आसमान में पंख फैलाकर उड़ी तब उसे समझ आया कि संसार बहुत बड़ा है।

घ) कविता के रचयिता कौन है ?

उत्तर - कविता के रचयिता निरंकार देव 'सेवक' है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

क) जब चिड़िया का घोंसला बना तो उसने क्या समझा ?

उत्तर - जब चिड़िया का घोंसला बना तो उसे लगा कि संसार बस इतना सा ही है अर्थात संसार उसके घोंसले तक ही सीमित है।

ख) आखिर ------------------------------संसार

उत्तर - इन पंक्तियों का आशय है कि चिड़िया जब अपने पंखो को फैलाकर खुले आसमान में उड़ी तभी उसे यह एहसास हुआ कि संसार उसके घोंसले तक सीमित नहीं है , संसार बहुत बड़ा है।

पुस्तक अभ्यास कार्य

१ सही विकल्प चुनिए -

क) तिनकों से ख) अंडे जैसा ग) निरंकार देव सेवक घ) पंख

भाषा बोध

१ पर्यायवाची शब्द

चिड़िया - गगनचर, नभचर , खग

आसमान - आकाश , गगन , नभ

संसार - जग , जगत , दुनिया

घर - सदन , निकेतन , निवास

२ वचन बदलो

अंडा - अंडे

घोंसला - घोंसलें

तिनका - तिनके

शाखा - शाखाएँ

चिड़िया - चिड़ियाँ

३ वाक्यों के काल लिखो-

क) भूतकाल ख) वर्तमान काल ग)भविष्यत काल घ) वर्तमान काल ङ) वर्तमान काल